

# विभाग आपदा प्रबंधन योजना बनाएंगे

नई दिल्ली। विशेष संवाददाता

तैयारी

केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि विकास के साथ जोखिम प्रबंधन को अनिवार्य रूप से जोड़ना होगा। इसी कड़ी में केंद्र सरकार के सभी मंत्रालयों से आपदा प्रबंधन योजना बनाने का अनुरोध किया गया है। गृहमंत्री ने बताया कि कृषि मंत्रालय ने पशुधन आपदा प्रबंधन योजना बनाई है जो दुनिया में अपनी तरह का पहला प्रयास है। अन्य विभाग भी अपने स्तर पर प्रयास कर रहे हैं।

गृहमंत्री ने कहा, देश की लगभग आधी आबादी प्राकृतिक आपदाओं की आशंका वाले क्षेत्रों में रहती है इसलिए सभी एजेंसियों को प्राकृतिक आपदाओं के जोखिम को कम करने के लिए हमेशा

- गृहमंत्री ने कहा, विकास के साथ पर्यावरण संतुलन जरूरी है
- सभी मंत्रालयों से आपदा प्रबंधन योजना बनाने का अनुरोध किया

तैयार रहना चाहिए। उन्होंने आपदा प्रबंधन राष्ट्रीय मंच की दो दिवसीय बैठक का उद्घाटन करते हुए कहा कि भारत विश्व के आपदाओं से सर्वाधिक प्रभावित होने वाले देशों में से एक है। देश की 50 फीसदी से अधिक आबादी ऐसे क्षेत्रों में रहती है जो भूकंप, बाढ़, समुद्री चक्रवात, सूखा और सुनामी से प्रभावित है।

उन्होंने कहा कि आपदाओं से होने वाले जानमाल की क्षति को प्रभावी तरीके



से कम करने के लिए भारत ने काफी तैयारी की है। इसका असर भी दिखाई दिया है।

गृहमंत्री ने कहा कि आपदा से निपटने के लिए हाल में की गई तैयारियों के परिणामों से बिल्कुल स्पष्ट है कि 'अगर हो पूरी तैयारी तो आपदा नहीं है भारी'। इसलिए सभी को मिलकर आपदाओं के जोखिम को कम करने के लिए पहले से ही तैयारी करनी होगी।